राज
कॉमिक्स विशेषांक
आवाज की तबाही
सुपर कमांडो
ध्रुव
मुफ्त

ध्वनि यानि *आवाज* के बगैर इस दुनिया की कल्पना करना भी मुश्किल है।
संगीत की मधुर ध्वनि हमारे दिल को खुशी से भर देती है।
लेकिन यही ध्वनि जब एक सीमा पार कर जाती है तो यह विनाशकारी भी हो जाती है।
तेज संगीत सिर में दर्द पैदा कर देता है। रेल की तेज सीटी किसी को बहरा कर सकती है।
सुपरसोनिक वायुयानों का धमाका खिड़कियों के शीशे तोड़ सकता है।
और एक अतिशक्तिशाली *ध्वनि तरंग* गगनचुंबी इमारतों को भी पलभर में धूल में मिला सकती है।
यह विनाशकारी ध्वनि ऊर्जा जब किसी गलत हाथ में पड़ जाती है तो चारों तरफ फैल जाती है–

आवाज की तबाही

सुपर कमांडो ध्रुव

कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा
संपादन: मनीष चंद्र गुप्त

© RAJA POCKET BOOKS

यह कहानी राजनगर यूनिवर्सिटी के 'साउंड रिसर्च सेंटर' से शुरू हुई थी, जहां पर बत्तियां आज देर रात तक जल रही थीं।
जाते-जाते मैं फिर कहूंगा कि आप एक महान वैज्ञानिक हैं, प्रोफेसर काले!
तुम तो मुझे खामख्वाह बड़ा बनाए दे रहे हो, पटेल!
नहीं, सर! आपने जिस 'अल्ट्रासोनिक गन' का अविष्कार किया है, उससे हमारे देश की सुरक्षा व्यवस्था कितनी मजबूत हो जाएगी, इसका अंदाजा आप नहीं लगा रहे हैं।
आज से हम, बगैर गोली-बारूद खर्च किए किसी भी हमलावर का मुंह तोड़ सकते हैं।
यह तो सच है, पटेल।
लेकिन मेरे असिस्टेंट होने के नाते, इस सफलता का आधा श्रेय तुमको भी जाता है।
कल जब मैं 'अल्ट्रासोनिक गन' के दोनों मॉडल रक्षा मंत्री को भेंट करने जाऊंगा, तब तुम भी मेरे साथ चलोगे।
थैंक्यू, सर!
गुड नाइट, पटेल!
आज रात मुझे ही लैब में ड्यूटी पर रहना है।
लेकिन पहले जरा खाना खा लूं। बड़ी कस के भूख लगी है। उसके बाद ड्यूटी देने जाऊंगा।
लेकिन यह देरी पटेल को काफी महंगी पड़ने वाली थी।
क्योंकि उसी वक्त-लैब के अंदर, एक रहस्यमय आकृति दरवाजे से घुस रही थी।
मैदान साफ है।
पर यह तो मुझे पहले से ही मालूम था।
और मुझे यह भी मालूम है कि 'अल्ट्रासोनिक गन' के दोनों मॉडल कहां रखे हुए हैं।
यह रहा छोटा मॉडल!

वाह! मुझपर एकदम फिट आया है।
लगता है जैसे मेरा ही नाप लेकर इसे बनाया गया हो।
अब 'अल्ट्रासोनिक-गन' का बड़ा मॉडल लेकर मैं रफूचक्कर...
ऐ! कौन हो तुम?
तु...तुम!! यहां पर क्यों...?
तुम जरा जल्दी वापस आ गए।
मेरा प्लान तो इन दोनों हथियारों को चुपचाप लेकर निकल जाने का था।
तुम अपने होश में नहीं हो। ये 'अल्ट्रासोनिक यंत्र' हमारे देश की अमानत हैं।
इनको वापस रख दो, और मैं किसी से कुछ नहीं कहूंगा।
अब मेरे लिए इसको वापस रखना संभव नहीं है।
इसके बाद मुझे सिर्फ एक चीज और चाहिए। नेशनल म्यूजियम से कोरखाब का हीरा।
उसके बाद मुझे कोई भी नहीं रोक सकेगा!
मेरा पूरा गैंग मेरा इंतजार कर रहा है।
मैं तुमको यहां से जाने नहीं...
ओह!
तुम समझते हो कि तुम मुझे रोक सकते हो, मूर्ख?...
...जबकि दोनों अल्ट्रासोनिक यंत्र मेरे कब्जे में हैं!
इस वक्त मैं इसे अकेला नहीं रोक सकता
ओह! यह भाग रहा है!
मैं दोनों मशीनो को लेकर इसके पीछे नहीं जा सकता

हैलो, गिरजा!
अभी-अभी लैब से घुंघराले बालोंवाला एक आदमी बाहर भागा है।...
...उसका जिंदा रहना मेरे लिए खतरनाक हो सकता है।
...उसको खत्म कर दो!
समझ गया।
काम हुआ समझिए!
DELHI TRANSPORT
रात के इस वक्त राजनगर की सड़कें सुनसान थीं।
और अधिकतर अपराधी घर के अंदर थे।
क्योंकि यह वक्त-
ध्रुव की रात की गश्त का वक्त था।
और इस वक्त वह जान बचाकर भाग रहे पटेल से कुछ ही दूरी पर था।
?
यह आदमी रात के इस वक्त सड़क पर बेतहाशा क्यों भाग रहा है?
जरूर कुछ गड़बड़...!
तभी पूरी सड़क, तेज गति से आते एक ट्रक की हैडलाइटों से चमक उठी।
घर्रर्रर्रर्रर्रर्र
DELHI TRANSPORT
यह ट्रक ड्राइवर पिए हुए है क्या?

पटेल पलभर में यह समझ गया कि इस तेज गति से आते ट्रक का क्या इरादा है।
वह सड़क के किनारे की तरफ भागा।
लेकिन ट्रक ने उसका पीछा नहीं छोड़ा।
आ
और ध्रुव के कुछ कर पाने से पहले ट्रक अपना काम कर चुका था।
यह क्या?
ट्रक ने इसको जानबूझ कर कुचला है! और ट्रक पर नंबर-प्लेट तक नहीं है!
इस वक्त मैं इसका पीछा नहीं कर सकता!
क्योंकि अभी इस घायल आदमी को अस्पताल ले जाना ज्यादा जरूरी है।
आह!
घबराओ मत! मैं अभी तुमको अस्पताल ले चलता हूं।
नेशनल म्यूजियम... में...चोरी... प्रो...प्रोफेसर, काले...अल्ट्रासोनिक ...गन... आह!-हिच।
यह तो मर गया। भगवान इसकी आत्मा को शांति दे।
लेकिन यह घटना देखकर लगता है कि इसकी हत्या, किसी बहुत बड़े षड्यंत्र का हिस्सा है।

ध्रुव को सही आभास हो रहा था।
क्योंकि नेशनल म्यूजियम में-
गॉर्ड तो ठिकाने लग गए। लेकिन म्यूजियम का दरवाजा कैसे खुलेगा?
खुलेगा नहीं... टूटेगा!
ऐसी मामूली चीजें अब मेरा रास्ता नहीं रोक सकतीं।
म्यूजियम के मजबूत द्वार से एक ध्वनितरंग टकराई।
और पूरा दरवाजा कांप कर छोटे-छोटे टुकड़ों में बिखर गया।
अब बताओ! कहां है वह हीरा?
'कोरखाब के हीरे' को रात में सुरक्षा के लिए इस सेफ में बंद कर दिया जाता है।
इस खिलौने के अंदर? हा हा! ऐसे खिलौनों को तो मैं अपनी छींक से तोड़ देता हूं।
कोरखाब के हीरे की चोरी तुम्हारे लिए एक खेल जरूर हो सकता है,...
...लेकिन मेरी नजर में यह एक अपराध है।
MOST AMAZING ARTI
सुपर कमांडो ध्रुव!! यहां पर!
खत्म कर दो इसको!

गोलियों की तड़तड़ाहट से सुनसान म्यूजियम गूंज उठा।
लेकिन ध्रुव अब अपने स्थान पर नहीं था।
तड़तड़ तड़तड़ तड़तड़ तड़
और इससे पहले कि बंदूकें दुबारा निशाना लगाने के लिए घूम पातीं...
ध्रुव ने सबके हाथों को खाली करा दिया।
धाड़
टिशूं
तड़ाक

धाड़
तड़ाक
थोड़ी ही देर में सभी गुंडे फर्श पर पड़े, दर्द से कराह रहे थे।
अब तुम्हारा क्या इरादा है?
शायद तुम भी मुझसे दो-दो हाथ करना चाहोगे।
इन भुनगों को हरा कर यह मत समझो...
...कि तुम ध्वनिराज से टक्कर ले सकोगे।
क्योंकि तुम तो क्या, ध्वनिराज से दुनिया की कोई भी ताकत टकरा नहीं सकती।
ध्वनिराज!
तुम्हारे दिमाग में यह सवाल तो जरूर घूम रहा होगा कि म्यूजियम का मजबूत दरवाजा मैंने कैसे तोड़ा?

वह दरवाजा मैंने ऐसे तोड़ा था।
ओफ़!
कड़ाक
ध्वनिराज के हाथों में उन भयंकर ध्वनि तरंगों की ताकत है, जो पहाड़ को भी चूर-चूर कर सकती हैं।
तुम्हारे हाड़-मांस के शरीर को तो ये पाउडर बना कर हवा में उड़ा देंगी।
ज्यादा घमंड अच्छा नहीं होता है, ध्वनिराज। ऊंट कभी न कभी पहाड़ के नीचे जरूर आता है।
इसकी ध्वनि तरंगें म्यूजियम की दुर्लभ चीजों को नष्ट कर रही हैं।
अगर मैंने इसको तुरंत न रोका तो यह म्यूजियम कबाड़ी बाजार बन जाएगा।
घातक ध्वनि तरंगों के बीच से अपना रास्ता बनाते हुए ध्रुव ध्वनिराज के पास पहुंचा।

और एक ही सधे हुए वार से ध्वनिराज जमीन पर आ गिरा।
तड़
आह!
पलक झपकते ध्रुव ने ध्वनिराज के दोनों हाथों को अपने बूटों के नीचे दबा लिया।
तो तुमसे दुनिया की कोई ताकत टकरा नहीं सकती, ध्वनिराज?
एक लड़ाई जीतने से युद्ध नहीं जीत लिया जाता, ध्रुव!
ध्वनिराज का हाथ कलाई से मुड़ा, और उसमें से एक ध्वनि तरंग निकलकर ऊपर लटक रहे एक फानूस से टकराई।
फानूस ठीक ध्रुव के सिर पर आ गिरा।
धनाक
उठो, काहिलो! हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं है।
ध्वनिराज के एक ही वार से मजबूत लॉकर टिन के पतले डिब्बे की तरह चूर-चूर हो गया।
कड़ाक

अंदर रखा कोरस्वाब का हीरा शैतान की आंख की तरह चमक रहा था।
हाहाहा! मिल गया! मिल गया!
अब यहां से जाने से पहले इस लड़के का काम तमाम...
ध्वनिराज, पुलिस!
तो भागो!
देखिए, सर! म्यूजियम के टूटे दरवाजे से कुछ लोग भागते बाहर आ रहे हैं।
और वह नकाबपोश इन लुटेरों का मुखिया लग रहा है। ध्रुव की सूचना सही थी।
पर अब ये हमारे पुलिस घेरे से बच कर भाग नहीं पाएंगे।
कहना आसान है, दरोगा!
लेकिन करना बहुत मुश्किल।
ध्वनिराज के हाथों से निकलकर एक भयानक शोर पूरे वातावरण में फैल गया।
सिपाहियों के हाथ, अपने हथियारों पर जाने के बजाय, अपने कानों पर चले गए।
टींईईई

मेरा एहसान मानो, दरोगा कि मैं तुम लोगों को जिंदा छोड़ दे रहा हूं।
बड़ाम
वर्ना तुम्हारा हाल भी तुम्हारी जीप जैसा होता।
यह तो एक छोटा सा सैंपल था, दरोगा।
अब इस हीरे से मेरी ताकत इतनी बढ़ जाएगी कि पुलिस तो क्या, मिलिट्री भी मेरा रास्ता नहीं रोक पाएगी।
हम फिर मिलेंगे, दरोगा!
और फिर—
...डूब मरने की बात तो यह है कि ध्वनिराज मेरे होते हुए कोरखाब का हीरा चुरा कर ले गया।
उदास होने की जरूरत नहीं है, ध्रुव! तुमने तो कुछ देर उसका मुकाबला भी किया....
...लेकिन हम तो पलभर भी उसके सामने नहीं टिक पाए।
यह पता चला कि ट्रक से कुचलकर मरने वाला वह आदमी कौन था?
अभी नहीं।
लेकिन मुझे यकीन है कि सुबह होते-होते उसकी शिनाख्त हो जाएगी।
और वहां से कहीं दूर—
हाहा हा!
कोरखाब का हीरा मेरी अल्ट्रासोनिक तोप में फिट हो गया।
अगर हम सीधे डायमंड मार्केट पर धावा बोलते तो ऐसे न जाने कितने हीरे हमको मिल जाते, ध्वनिराज।
FUSE - BOX.
लेकिन कोरखाब का हीरा नहीं मिलता, मूर्ख! इस हीरे में जो गुण है, वह दुनिया के और किसी हीरे में नहीं है।
अब तक मेरी अल्ट्रासोनिक-तोप की ध्वनि तरंगें जरा सी भी घातक नहीं थीं।
लेकिन वे ही तरंगें जब इस हीरे से होकर निकलेंगी तो उनकी ताकत लाखों गुना बढ़ जाएगी।

इतनी ज्यादा, कि तब मैं यहां पर बैठे-बैठे कई किलोमीटर ऊपर हवा में उड़ रहे विमानों को भी मार गिरा सकता हूं।
तब तो अब हमको कोई नहीं रोक सकता।
सिवाय एक आदमी के।
सुपर कमांडो ध्रुव के!
मुझे उसके म्यूजियम में पहुंचने की जरा सी भी उम्मीद नहीं थी। लेकिन वहां आने से वह तुम लोगों को पहचान गया।
अब वह तुम लोगों की तलाश में जरूर निकलेगा। और फिर शायद मुझ तक भी पहुंच जाएगा।
त...तो फिर क्या होगा?
घबराओ मत!
ध्रुव का इंतजाम तो मैं कर दूंगा। एक लंबा इंतजाम।
म्यूजियम में तो पुलिस के आने ने उसे बचा लिया। पर जहां उसको मैं अब भेजूंगा...
वहां पर उसको बचाने वाला कोई नहीं होगा।
सिर्फ मारने वाला होगा।
ध्वनिराज का शक एकदम सही था।
इंस्पेक्टर को मैंने एक बात नहीं बता
कि म्यूजियम में डकैती डालने वाले
को मैं पहचान चुका हूं। वह टाटो
का गैंग था।
पुलिस, अपने तरीके से उनको कभी ढूंढ नहीं पाएगी।
लेकिन मेरा तरीका पुलिस से जरा अलग है
और मेरा तरीका कल सुबह से शुरू होगा।
लेकिन अगली सुबह- राजनगर विश्वविद्यालय के 'साउंड रिसर्च सेंटर में—
कमाल है!
LABORATORY
नौ बजने वाले हैं।
लेकिन यहां पर न तो पटेल नजर आ रहा है, और न ही नायर।
पटेल शायद लैब के अंदर ही...
RATORY
प्रोफेसर काले ने लैब का दरवाजा खोला।

अंदर लैब अस्त-व्यस्त पड़ी थी।
ओ माई गॉड!
पटेल कहीं नजर नहीं आ रहा है। और मेरे दोनों 'अल्ट्रासोनिक यंत्र' भी गायब हैं।
मुझे तुरंत पुलिस को बुलाना चाहिए।
और फिर-
... अगर यह यंत्र किसी गलत आदमी के हाथों में पड़ गया तो गजब हो जाएगा।...
...क्योंकि इस यंत्र से ध्वनि तरंगों को इतना शक्तिशाली बनाया जा सकता है, कि वे ध्वनि तरंगें एक इमारत को भी पलक झपकते नष्ट कर सकती हैं।
इस यंत्र के बारे में आपके अलावा और कौन-कौन जानता था?
सिर्फ मेरे दोनों असिस्टेंट! पटेल और नायर। इस समय उन दोनों का भी कहीं पता नहीं चल रहा है।
ओह! मैं समझ गया।
इस फोटो को ध्यान से देखिए!
य... यह तो पटेल है! इसको क्या हुआ?
इसको कल रात किसी ने ट्रक से कुचलकर मार डाला!
ओ माई गॉड! औ... और नायर?
उसका भी पता हम जल्दी ही लगा लेंगे।
और मेरा ख्याल है कि जहां पर वह है, वहीं पर आपका अल्ट्रासोनिक यंत्र भी होगा।
विश्वविद्यालय से बाहर निकलते समय, ध्रुव को कुछ सवालों का जवाब मिल चुका था।
तो ध्वनिराज को 'अल्ट्रासोनिक यंत्र' इस जगह से मिला है।
और उस यंत्र के बारे में जानने वाला एक आदमी नायर गायब है।
अब मेरे कुछ और सवालों का जवाब मुझे टाटो के अड्डे से मिल सकता है।

राजनगर की 'स्लम स्ट्रीट' में सुबह जरा देर से शुरू होती है।
क्योंकि रातभर यहां के निवासी न जाने कितने गलत धंधों में व्यस्त रहते हैं।
टाटो के अड्डे में रह रहे केस्टो के उठने का समय भी यही था।
पर आज वह शायद अपना ही चेहरा देख कर उठा था।
बल्ब! थुव!!
मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ है कि तुम दांत भी साफ करते हो।
चाहे महीने में सिर्फ एक बार ही करते हो।
क-क... क्या चाहते हो तुम?
टाटो का पता!
पर मुझे क्या मालूम कि टाटो कहां...!
पर मुझे मालूम है कि टाटो कल रात 'नेशनल म्यूजियम' में डकैती डाल रहा था।
और तुम उसके सबसे गहरे दोस्त हो।
मैं यह जानना चाहता हूं कि इस वक्त टाटो कहां पर है?
और यह बात तुम मुझको अगले दो मिनट के अंदर बताओगे।
क्योंकि तुम दो मिनट से ज्यादा सांस नहीं रोक सकते।
ब... (बुड़क) बताता हूं। बताता हूं।
हाऽऽऽह! टाटो... अपने गैंग के साथ... (हफ)... मान झील के गार्ड केबिन में... छुपा हुआ है!
टाटो ने मुझे यही बताने को कहा था।
याद रखना, केस्टो। अगर तुम्हारी खबर गलत हुई तो मैं तुमको उसी झील में डुबा दूंगा!
मान झील पुराने जमाने में राजनगर की शान थी।
लेकिन आजकल धोबियों के अलावा, इस झील के किनारे और कोई नहीं आता था।
वह रहा गार्ड केबिन!...
...अगर केस्टो सच बोल रहा था तो टाटो इसी के अंदर...
पर बात पूरी सोच पाने के पहले ही...

...ध्रुव की विचारधारा छिन्न-भिन्न हो गई।
आह!
इतना लंबा पैर!
टाटो का पैर इतना लंबा तो नहीं है।
धड़
टाटो जैसे कीड़े, यूकिलिप्टस का पैर दाबते हैं, लौंडे!
ध्रुव ने सिर उठाकर अपने हमलावर को देखना चाहा...
...और उसका सिर ऊपर उठता ही चला गया।
नौ फुट दो इंच लंबे कद पर यूकिलिप्टस नाम एकदम फिट बैठ रहा था।
मैंने इस बीस तोले सोने की चेन के बदले तेरी मौत का कांट्रैक्ट लिया है, लड़के!...
...और यूकिलिप्टस अपना कांट्रैक्ट हमेशा पूरा करता है!
ध्रुव, यूकिलिप्टस की तरफ लपका।
तड़ाक
लेकिन यूकिलिप्टस की लंबी भुजाओं ने उसको बीच में ही रोक लिया।
और यूकिलिप्टस की लंबी टांगों ने उसे एक बार फिर धराशायी कर दिया।
ओह!
इसकी लंबाई के कारण मैं इसके सिर तक नहीं पहुंच पा रहा हूं।...
...और इसके सिर तक पहुंचे बगैर मैं इस पर काबू नहीं पा सकता!

इसीलिए अब मुझे इसकी लंबाई का इस्तेमाल इसी के खिलाफ करना पड़ेगा।
ध्रुव, यूकिलिप्टस के घूंसे से बचने के लिए एक तरफ हटा—
और अगले ही पल- बढ़े हुए हाथ पर कलाबाजी खाता हुआ ध्रुव का शरीर यूकिलिप्टस के सिर तक पहुंच गया।
तड़ाक
यूकिलिप्टस लड़खड़ाया, पर गिरा नहीं।
बल्कि उसके दूसरे हाथ ने बिजली की तरह आगे बढ़कर ध्रुव को पकड़ लिया।
और पलक झपकते ध्रुव का शरीर जमीन से तेरह-चौदह फुट की ऊंचाई पर हवा में लटक रहा था।
अब मैं तुझे इतनी जोर से नीचे पटकूंगा, कि तेरे साथ-साथ ये पत्थर तक कराह उठेंगे!
यूकिलिप्टस ने ध्रुव को नीचे पटकना चाहा।
लेकिन उसी वक्त ध्रुव के पैर उसकी गर्दन पर कस गए।
और ध्रुव के एक ही झटके से यूकिलिप्टस का शरीर जमीन पर गिरने के बाद, गोल-गोल घूमता हुआ—

... झील में धपाक से जा गिरा।
अब मेरे पास अपनी योजना को बनाने के लिए थोड़ा वक्त है।
यूकिलिप्टस की ताकत उसकी लंबाई है ...
इसलिए अब मुझे भी अपनी लंबाई बढ़ानी होगी।
और एकदम से लंबा होने का तरीका इस वक्त सिर्फ एक ही है। ... ये बांस।
धोबियों से मैं बाद में माफी मांग लूंगा।
लेकिन इस वक्त मुझे इन बांसों की ज्यादा जरूरत है।
झील में गिरा यूकिलिप्टस लंबे-लंबे हाथों से तेजी से किनारे की तरफ बढ़ रहा था।
इसलिए अब मैं तुझे आसानी से नहीं, बल्कि तड़पा-तड़पा कर मारूंगा।
कोशिश करो! पर यह जान लो ...
...कि अब तुम्हारी लंबाई तुम्हारे किसी काम नहीं आ पाएगी, यूकिलिप्टस।
क्योंकि अब मेरी और तुम्हारी लंबाई बराबर है।
ताड़
और अब मेरे घूंसे तुम्हारे मुंह तक पहुंच सकते हैं।
ध्रुव की लंबाई में अचानक हुए इस परिवर्तन से यूकिलिप्टस संभल नहीं पाया।

और ध्रुव को यूकिलिप्टस पर हावी होने का मौका मिल गया।
ताड़
अब, यूकिलिप्टस, मैं यह जानना चाहता हूं कि मेरे पीछे तुमको किसने भेजा है?
यह बताना मेरे उसूलों के खिलाफ है।
यूकिलिप्टस मर जाएगा, लेकिन अपनी जुबान कभी नहीं खोलेगा।
तो फिर...तुम मर ही जाओ, यूकिलिप्टस।
आई!
रुक जाओ! बताता हूं, बताता हूं! मुझे ध्वनिराज ने भेजा है।
कभी नहीं। मैंने इसको जो सोने की चेन दी है उसके लॉकेट में एक सोनिक बम लगा है।
और उस बम का 'रिमोट-कंट्रोल' मेरे हाथ में है।
बोल! ध्वनिराज का अड्डा कहां है?
ध्वनिराज का अड्डा काल...
पर यूकिलिप्टस की बात पूरी हो पाने के पहले ही कहीं पर एक बटन दबा।...

...का सर भी टुकड़े-टुकड़े हो गया।
एक मिनट।
...के साथ एक अजीब सा पौधा चिपका पड़ा है।
आया था।
और मैं एक तीर से दो शिकार करूंगा।
जिसमें ध्रुव के साथ-साथ, मेरे बारे में जानने वाला एकलौता आदमी प्रोफेसर काले भी खत्म हो जाएगा।
जबकि खतरा सिर पर आ पहुंचा था।
ए.. पटेल को तुम लोगों ने ही (गड़ब) मारा था क्या?

लेकिन प्रोफेसर काले को अपने सवालों का कोई जवाब नहीं मिला। और गाड़ी विभिन्न सड़कों से होती हुई...
..पुराने शहर में आकर रुक गई।
अपहरणकर्ताओं ने प्रोफेसर काले को नीचे उतार दिया।
तुम्हारी जान खतरे में है, काले!
और इस वक्त तुमको सिर्फ एक आदमी बचा सकता है - सुपर कमांडो ध्रुव।
यह रहा उसका फोन नंबर।
तुम्हारे पास सिर्फ दस मिनट का समय है, काले!
द दस मिनट का समय।
सिर्फ दस मिनट?
क्या बात है, भइया? सरदर्द हो रहा है? तुम्हारा सिर दबा दूं? या... कोई बाम लगा दूं?
अरे, अरे। यह मैं क्या सुन रहा हूं? बड़ी चापलूसी कर रही है। अच्छा बोल, तुझे क्या चाहिए?
अच्छा, अब गुस्सा थूक दे, और बता भी दे कि तुझे क्या चाहिए?
मुझे... मुझे दो हजार रुपए चाहिए।
दो हजार!! इतने पैसों का तू क्या करेगी?
मैं एक नई चीज बना रही हूं, भइया! 'ध्वनि प्रदूषण' दूर करने के लिए एक इयर-प्लग।

यह ज्यादा तेज आवाजों को इतना धीमा कर देता है, जिससे कान और दिमाग को नुकसान न पहुंचे।...
इसको लगाने के बाद, अगर रेल का इंजन तुम्हारे कान के पास सीटी मारेगा, तो तुमको ऐसा लगेगा जैसे कोई बिल्ली धीरे से गुर्रा रही है! ...
... पर धीमी आवाज तुमको वैसी की वैसी ही सुनाई देगी।
सच में! अब तो तू यह प्लग बेचकर कराड़ ...
हेलो! ध्रुव स्पीकिंग
ध.. ध्रुव! मैं प्रोफेसर काले बोल रहा हूं। पुराने शहर के महावीर चौक से।
अपहरण कर के मुझे यहां छोड़ गए हैं।
उन्होंने मुझे दस मिनट का समय दिया है!
आह!
प्रोफेसर.. प्रोफेसर!!
हाहाहाहा!

मामला कुछ गड़बड़ है!
मुझे तुरंत पुराने शहर पहुंचना होगा!
अरे भइया, कहां चल दिए? मेरा 'इयर प्लग' तो देते जाओ।
यह तो कुछ सुन ही नहीं रहा है!
ध्रुव का दिमाग कहीं और था।
पुराना शहर!
अभी चैंपियन किलर ने मुझे नताशा के पीछे वहां पर बुलाया था।
और अब ध्वनिराज ने!
लगता है कि पुराना शहर अपराधियों का अड्डा बनता जा रहा है।
ध्रुव को पुराने शहर पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगा।
यह रहा महावीर चौक!
एक टेलीफोन बूथ वहां पर है।
वहीं से प्रोफेसर काले ने मुझे फोन किया होगा।
बूथ के फर्श पर पड़े चीथड़ों को पहचानना ज्यादा कठिन नहीं था।
हां, लड़के! तुम इस समय प्रोफेसर काले के जिस्म का ही चूरा देख रहे हो।
ध्रुव तेजी से घूमा-
ध्वनिराज!
यह मेरे और मेरे प्लान के बीच में रास्ते का रोड़ा बन गया था।
ठीक तुम्हारी तरह।

इसीलिए इसको सजाए-मौत मिली। और अब तुमको भी वही सजा मिलेगी।
...और उसके बावजूद मैंने तुम को मात दी थी।
और इस हत्या के बाद तो तुमको जाने देने का सवाल ही नहीं पैदा होता।
और कल रात मैंने तुम पर अल्ट्रासोनिक सीटी का इस्तेमाल भी नहीं किया था।
इस सीटी के बजने के बाद तू घुटनों के बल दया की भीख मांगता मेरे पास आएगा।
तुम भूल रहे हो, ध्वनिराज कि कल रात को भी तुम्हारे पास यही हथियार था।...
कल रात को तो तुम पुलिस के आने से बच गए थे।...
ध्वनिराज के शरीर पर फिट अल्ट्रासोनिक यंत्र से बहरा कर देने वाली ध्वनि-तरंगें निकलने लगीं।
पास बैठा एक कुत्ता चीखकर जमीन पर गिर गया।
लेकिन ध्रुव के चेहरे पर मुस्कराहट बरकरार रही।
श्वेता के 'इयर प्लग' वाकई कमाल की चीज हैं।
य...यह क्या?
तुम पर मेरी सीटी का कोई असर नहीं हुआ?
सीटियों का मुझपर असर नहीं होता।
आह! अब मैं मुसीबत में हूं।
मेरी सीटी का इसपर असर नहीं हुआ
वारों को यह उछल-उछल कर बेकार कर देता है।

एक-दो वारों के बाद ही ध्रुव को ध्वनिराज का प्लान समझ आ गया।
यह मुझे इस पुरानी बिल्डिंग की तरफ धकेलना चाहता है! पर क्यों?
इस 'क्यों' का जवाब ध्रुव को जल्दी ही मिलने वाला था।
हाहा!
अब तू एकदम ठीक जगह पर पहुंच गया है, छोकरे।
ध्वनिराज के हाथों से एक शक्तिशाली ध्वनि-तरंग निकल कर पुरानी और जर्जर इमारत से टकराई।
...पूरी इमारत ध्रुव के सिर पर ढहने लगी।
भागने का न तो कोई रास्ता था, और न ही बचने की कोई जगह।
धूल के बादल चारों ओर छा गए।
और थोड़ी देर बाद- जहां पर ध्रुव खड़ा था, वहां पर पहाड़ जैसा, बिल्डिंग के मलबे का ढेर था।
इस हादसे में किसी का भी जिंदा बच पाना असंभव था।
और एक गड़गड़ाहट के साथ..
एक के बाद एक अनगिनत टुकड़े जमीन पर गिरते रहे।
हाहाहा... मार दिया। मैंने ध्रुव को खत्म कर दिया। अब मेरा रास्ता एकदम साफ है।

और थोड़ी देर में-घटनास्थल से दूर जाते कदमों की आवाज के बाद—
सब कुछ शांत हो गया।
मरघट के सन्नाटे जैसा शांत। यह शांति कुछ देर तक बनी रही...
...फिर मलबे के ढेर के ऊपर का हिस्सा धीरे-धीरे सरकने लगा।
और उसमें से एक हाथ बाहर निकला।
पूरा शरीर!
बाहर निकलने में बहुत समय लग गया!
थी, कि लोहे के पुराने सीवर पाइप यहां पर पड़े हुए थे।
और जैसे ही इमारत गिरनी शुरू हुई, वैसे ही मैं इस पाइप में घुस गया था!
शुरू करेगा!
मकसद विचित्र था।
को तबाह कर दूंगा!
आज की रात से पूरा राजनगर मेरा बंधक होगा!

ये विनाश आप 'अल्ट्रासोनिक तोप' से करेंगे न, ध्वनिराज?
नहीं, अल्ट्रासोनिक तोप का इस्तेमाल मैं बाद में करूंगा!
एक छोटे से बक्से जैसे यंत्र पर ध्वनिराज ने कुछ 'नॉब' घुमाईं।
और उसमें से दो ध्वनि तरंगें निकलकर, दो अलग-अलग स्थानों पर केंद्रित होने लगीं।
आज की रात राजनगर में विनाश फैलाएगा, मेरा सेवक
...कर्कश!
विशुद्ध ध्वनि ऊर्जा से बना एक जीव।
यह जिस चीज को भी छू लेगा, वह चीज धूल में मिल जाएगी।
और इसपर गोली, बम, रॉकेट, मिसाइल, एटम बम, कुछ भी असर नहीं कर सकता!
कर्कश को मेरे अलावा और कोई भी खत्म नहीं कर सकता!
राजनगर के लोग इस विनाशकारी जीव के जन्म से अंजान थे।
ओह! यूकिलिप्टस, और प्रोफेसर काले के अपहरण की खबरें तो हमको मिल चुकी थीं।...
...पर हमको यह पता नहीं था कि ध्वनिराज ने प्रोफेसर काले की वीभत्स हत्या कर दी है!
आज की रात जरूर कुछ भयंकर घटना घटने वाली है।...
...मुझे अभी से इसका आभास हो रहा है।
शायद तुम ठीक कह रहे हो।
आज मैं शहर के हर कोने पर पुलिस पार्टियों को तैनात कर दूंगा!

देखते ही देखते - चिंगारियां एक भयानक आकृति में बदल गई।
इसको रोकना हमारे बूते की बात नहीं है।
लेकिन सभी गोलियां बगैर किसी रुकावट के, कर्कश के शरीर से पार हो गई।
हैडक्वार्टर को खबर करो।

हैडक्वार्टर में सूचना पहुंचते ही हड़कंप मच गया।
क्या कहा? वह लोधी फ्लाई ओवर तोड़ने के बाद 'विजय स्तंभ' की तरफ गया है?
हम अभी वहां पहुंचते हैं।
चंदेल, हमारी 'स्पेशल पुलिस स्ट्राइक फोर्स' को तैयार करो।
कर्कश ने अपना एक हाथ उठाया।
और मीनार, कागज के लिफाफे की तरह पिचकती चली गई।
हाथ मीनार के ऊपर दबा।

और अगले ही पल सिपाहियों ने अपने शरीरों में, हजारों वोल्ट बिजली सा कंपन दौड़ता महसूस हुआ।
साथ ही साथ कर्कश का हाथ लंबा हुआ।
और एक चीख के साथ सभी सिपाही बेहोश हो गए।
इंस्पेक्टर ने ऐसा डरावना जीव, अपनी पूरी जिंदगी में नहीं देखा था। डर के मारे
और आंख मूंदकर भगवान को
शरीर हवा में उड़ता महसूस हुआ।
उसने आंखें
जैसा ही लग रहा था।

ध्रुव! तुम यहां पर कैसे?
मैंने पुलिस हेडक्वार्टर को भेजे जाने वाला मैसेज अपने ट्रांसमीटर पर भी सुन लिया था।
पर यह वक्त इन सब बातों का नहीं है।
अभी मुझे इस मुसीबत को रोकना है।
पर यह है क्या?
यह जिंदा बच गया! पर कैसे?
यह तो मेरे सामने मलबे में दब गया था।
दैवी शक्ति हो या शैतानी
यह कर्कश से नहीं बच पाएगा।
लेकिन इससे पहले कि उसकी मोटरसाइकिल जमीन को वापस छू पाती।
ध्रुव ने कर्कश का पहला वार बेकार कर दिया।
ध्रुव की किस्मत अच्छी थी कि कर्कश का हाथ उसके बजाय उसकी मोटरसाइकिल पर लगा।

नहीं, इंस्पेक्टर! इसको किसी भी तरीके से और विनाश करने से रोकना होगा।
वर्ना यह पूरे शहर को मलबे का ढेर बना देगा।
लेकिन कर्कश ध्वनि ऊर्जा से बना प्राणी था।
और छू लिया, तो फिर मैं कभी उठ नहीं पाऊंगा।

और अगर इन दोनों ध्वाइंटो को मिला दिया जाए, तो शार्ट सर्किट हो जाएगा और यह जीव खत्म हो जाएगा।
ध्रुव ने मीनार के मलबे से एक लोहे के सरिए को खींचकर मोड़ दिया।
और उसको अपनी बेल्ट से पकड़ लिया।
कर्कश के दोनों हाथ एक बार फिर ध्रुव की तरफ लपके।
रोशनी का एक तेज़ झमाका हुआ,
और कर्कश गायब हो गया।
साथ ही साथ - इस शॉर्ट सर्किट का असर कहीं दूर तक हुआ।
यह क्या?
कर्कश के साथ-साथ, उसको पैदा करने वाला मेरा यह यंत्र भी शॉर्ट सर्किट हो गया।
अब हम कर्कश को दुबारा पैदा नहीं कर पाएंगे।
और दूसरी तरफ -
नष्ट भी किया जा सकता है।
क्योंकि मुझे पूरा यकीन है कि इस जीव को ध्वनिराज ने यहां पर भेजा था।

तेरे 'इयर प्लग' से अभी मुझे कुछ काम है।
और रही पैसे की बात, तो मैं अभी रेणु को फोन कर देता हूं। तू जाकर उससे पैसे ले लेना।
न तो रुपए देते हो, और न ही मेरा इयर प्लग वापस करते हो।
मुझे दो हजार रुपए न दे देते?
एक मिनट।
कल रात को राजनगर में एक अजीबोगरीब प्राणी ने, एक फ्लाई ओवर के साथ साथ ऐतिहासिक महत्व वाले 'विजय स्तंभ' को भी ध्वस्त कर दिया।
लेकिन मशहूर हीरो सुपर कमांडो ध्रुव ने वक्त पर घटनास्थल पर पहुंच कर इस प्राणी को नष्ट कर दिया।
अच्छा! तो कल रात को तुम
इस घटना के पीछे
गायब हो रहा था।
ध्वनिराज!
राजनगर के वासियो मैंने यह प्रसारण तुम लोगों को एक जरूरी संदेश देने के लिए रोका है।
धूल में मिला सकता हूं। और अगर कल सुबह तक तुम लोगों ने मुझे पचास करोड़ रुपए नहीं दिए तो मैं ऐसा ही करूंगा।
कल रात राजनगर में तबाही फैलाने वाला प्राणी, मेरा सेवक कर्कश था।
और इस समय मेरी 'अल्ट्रासॉनिक तोप' तुम्हारे राजनगर पर सधी हुई है।

तुम लोगों को यकीन दिलाने के लिए अब से एक घंटे बाद, मैं अपने अड्डे पर बैठे-बैठे, 'सिटी हॉल' को नष्ट कर दूंगा! गुडबाय राजनगरवासियो!
यह आदमी वाकई पागल है! मुझे इसे हर कीमत पर रोकना होगा।
अरे, भइया! मेरे पैसे...?
यह तो कुछ सुन ही नहीं रहा है! यह जरूर इस ध्वनिराज के पीछे जा रहा है।
लेकिन मुझे नहीं लगता कि भइया, ध्वनिराज से अकेले निपट सकता है! वह खतरनाक आदमी लगता है!
इसीलिए आज चंडिका भी, ध्रुव की मदद के लिए जाएगी।
और मेरे 'इयर प्लग' में जो माइक्रोफोन लगा है, वह मुझे बताता रहेगा, कि भइया कहां जा रहा है।
स्टॉप, पुलिस
उस पागल का मैसेज हमारे पास आ चुका है, ध्रुव।
वर्ना कल सुबह से वह राजनगर की इमारतों को तबाह करना शुरू कर देगा।
अगर हमको पता होता कि वह ये सब हरकतें कहां से बैठकर कर रहा है तो...!
ओह! यह तो मुझे याद ही नहीं रहा।
क्या याद नहीं रहा, ध्रुव?... और तुम चल कहां दिए?
लौटकर बताता हूं, सर।
इस भाग दौड़ में मैं यूकेलिप्टस के जूते में चिपके उस पौधे को तो भूल ही गया था। जिसे मैंने बॉटनिकल गार्डेन के डॉ० जोशी को यह पता करने के लिए दिया था, कि वह अजीब पौधा कहां पैदा होता है।
मेरे ख्याल से अब तक उन्होंने यह पता कर लिया होगा।

यह पौधा एक दुर्लभ किस्म का पौधा है, ध्रुव। और यह सिर्फ पहाड़ों के ऊपरी भागों पर ही उगता है। यहां पर यह पौधा सिर्फ काली पहाड़ी पर ही मिलता है।
काली पहाड़ी!
यूकिलिप्टस ने मरने से पहले 'काल' शब्द बोला था। शायद वह काली पहाड़ी ही बोलना चाहता था।
से ही आ रहा था। और ध्वनिराज ने अपना अड्डा भी वहीं बना रखा है।
यानि अब भइया काली पहाड़ी की तरफ आ रहा है।
और मुझे पूरा यकीन है कि ध्वनिराज इस बात से ज्यादा देर तक अजान नहीं रहेगा!
मुझे भी अपनी तैयारी कर लेनी चाहिए।
ध्रुव तुरंत काली पहाड़ी की तरफ रवाना हो गया।
पहले मैं खुद यह पता कर लूं, कि ध्वनिराज का अड्डा काली पहाड़ी पर है या नहीं।
श्वेता के अनुमान को ध्वनिराज सही साबित कर रहा था।
ध्वनिराज! आपका ध्रुव पर नजर
यानि इसको किसी तरह हमारे इस अड्डे का पता चल गया है।
मुझे इसी बात से डर लग रहा था।
अगर वह यहां तक पहुंच गया, तो पचास करोड़ तो क्या, पचास पैसे तक नहीं मिलेंगे! इसको अभी तुरंत रोकना होगा।
यह शुभकार्य मेरी अल्ट्रासोनिक तोप करेगी।

ध्रुव अपने ऊपर आने वाले खतरे से बेखबर नहीं था।
पर उसे यह पता नहीं था, कि खतरा कहां से, और कैसे आएगा।
कल रात कर्कश के खत्म हो जाने से,
होगा कि मैं अभी जिंदा हूं। और फिर वह मुझे मारने...!
यह कुत्ता अचानक कस के क्यों चिल्लाने लगा? यह जरूर ऐसा
मुझपर आक्रमण कर रहा है।
पर कैसे?
अपने आसपास देख रहे ध्रुव का ध्यान उस मूर्ति पर बिल्कुल नहीं था, जिसके ठीक नीचे वह खड़ा हुआ था।
और जब तक उसे खतरे का आभास होता।
तबतक टूटती मूर्ति के भारी टुकड़े ठीक उसके ऊपर गिरने शुरू हो गए थे।
और इसबार आसपास लोहे का कोई पाइप नहीं था।
पर ध्रुव ने अपने होशोहवास काबू में रखे।
ध्वनिराज ने मुझपर, जगह चुनकर हमला किया है।
बचने का सचमुच कोई मौका नहीं है!..
.. सिवाय एक रास्ते के!

और मूर्ति के भारी टुकड़े, ध्रुव के सिर पर गिरने के बजाय, स्पेशल मोटरसाइकल के अगले पहिए से टकराकर इधर उधर छितरा गए।
ओफ्! मौत से बाल बाल बचा।
यहतो फिर बच गया,
यह लड़का इतनी आसानी से खत्म हो सकता, तो यह कब का मर चुका होता! पर मेरे पास और भीषण दांव भी हैं।
अगले ही क्षण ध्रुव पर जैसे बिजली गिरी।
लेकिन इस बार ध्रुव सतर्क था।
कड़ाक
तेज़ी से लहराती हुई मोटरसाइकल ने
साफ बचा लिया
ध्वनिराज के इस हमले ने इस बात को पक्का कर दिया है, कि मैं सही रास्ते पर बढ़ रहा हूं।
और इस बात को भी कि ध्वनिराज मुझे किसी तरह से देख भी रहा है।
और जल्दी ही वह मुझपर हमला जरूर ...
लेकिन इस बार ध्वनिराज, ध्रुव को सांस लेने का मौका भी नहीं देना चाहता था।
ध्रुव पर एक के बाद एक ताबड़तोड़ वार होते रहे।

पर एक वार भी ध्रुव तक नहीं पहुंच सका।
युद्ध शुरू हो चुका था।
जिसमें एक तरफ सुपर कमांडो ध्रुव था, जिसके पास सिर्फ आत्मबल और विलक्षण दिमाग था...
.. और दूसरी तरफ एक ऐसा खतरनाक और ताकतवर व्यक्ति था, जिसके लिए एक पूरे महानगर को भी धूल में मिला देना कोई बड़ी बात नहीं थी।
ओफ! एक तो इतनी दूर से सिर्फ एक आदमी को निशाना बनाना वैसे ही मुश्किल होता है।
..और ऊपर से यह सीधा चल ही नहीं रहा है।
यह काफी रास्ता पार कर चुका है।
अब इसको रोकने के लिए मुझे अपना निशाना बदलना पड़ेगा।
ध्रुव, ध्वनिराज के निशानो से बचता हुआ शहर के अंत तक आ गया था।
नदी के उस पार से काली पहाड़ी का इलाका शुरू हो जाता है।
नहीं के बराबर है।

यह एकाएक पुल को क्या हो गया ?
ये जरूर ध्वनिराज
एक जबर्दस्त कडकडाहट के साथ पानी मे गिरने
प्लानो से ध्वनिराज मुझे
रोक सकता।
के टुकडे पर से ध्रुव ने मोटरसाइकल सहित एक जबर्दस्त छलांग लगाई।

और मोटरसाइकल के दोनो पहिए, पुल को थामने वाले लोहे के मजबूत तारो पर आ टिके।
देखते ही देखते ध्रुव पुल को पार कर चुका था।
कमाल है!
ध्रुव ने आपके इस वार को भी बेकार कर दिया, ध्वनिराज!
इसीलिए तो मैं अपना प्लान शुरू होने से पहले ही इसे खत्म कर देना चाहता
लेकिन अभी किस्मत
एक बार यह पहाड़ी रास्ते पर आ जाए। फिर इसकी कब्र मैं वही पर बनाऊंगा।

और पहाड़ी
तुमको पक्का पता है, कि अब वह पहाड़ी सड़क के सबसे संकरे हिस्से में आ रहा है?
ध्वनिराज के हमले का इंतजार कर रहे ध्रुव का ध्यान अपने ऊपर की तरफ बिलकुल नहीं था।
अगर ध्वनिराज ने मुझपर
मेरा बचना मुश्किल हो जाएगा।
हां, ध्वनिराज! यह इस चढ़ाई का सबसे सकरा हिस्सा है।
तो फिर मेरे काम के लिए यह जगह सबसे उप
होगी! लोग यहां से कार कैसे...?
पर एक धमाका हुआ।
और विशालकाय चट्टानें, एक गड़गड़ाहट
यह वार बहुत सोच समझ कर किया है।
जाऊंगा, या सैकड़ों फीट गहरी खाई में गिर जाऊंगा!...

लेकिन वह यह नहीं जानता, कि ध्रुव, जूपिटर सर्कस में एक आइटम 'मौत का कुआं' दिखाता था। जिसमें मोटरसाइकल को एक गोल पिंजरे की दीवारों पर चलाना पड़ता था।
आज वह आइटम मैं ध्वनिराज को फ्री में दिखाऊंगा! इस सपाट और गोल पहाड़ी दीवार पर मोटरसाइकल चला कर।
और मोटरसाइकल अपना रास्ता बदल कर पहाड़ी ढलान पर चढ़ गई। देखते देखते ध्रुव लुढ़कते पत्थरों के ऊपर से
निकल गया।
आहा! इस युद्ध की यह तीसरी बाजी भी मेरे ही नाम रही।

यह तो मेरे हर वार को बेकार करता जा रहा है। और अब यह हमारे अड्डे से ज्यादा दूर भी नहीं है। अब मेरे पास सिर्फ एक आखिरी मौका है।
ध्रुव हमारे इस अड्डे तक पहुंच ही जाएगा।
और फिर न जाने क्या होगा!
इस बात को ध्रुव
अब वह जगह ज्यादा दूर नहीं है, जहां पर मुझे ध्वनि राज का अड्डा होने का शक...।
मतलब साफ है।
मुझपर ध्वनिराज का चौथा हमला हो रहा है।
देखते ही देखते, रास्ते का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे गिरने लगा।
कड़ा
ड़ड़ड़
ड़ड़ड़
ड़
इतनी स्पीड में मैं न तो तेजी से ब्रेक मार सकता हूं।
और न ही पहले की तरह इन ऊबड़ खाबड़ दीवारों पर चढ़ सकता हूं।
रुकने के बजाय, और तेज चलने का।
स्पीडोमीटर की सुई थिरककर दो सौ के आंकड़े पर आ रुकी।

और ध्रुव की मोटरसाइकल, हवा में एक ऐसी छलांग लगाने के लिए उड़ी।-
जिसकी आज तक किसी भी आदमी ने कोशिश तक नहीं की थी।
ध्रुव का यह अदभुत करिश्मा देखने के लिए
जैसे काली पहाड़ी की 'रोप-वे ट्रॉली' पर बैठे कुछ बच्चे।
ऊपर चोटी पर बैठा वही विशालकाय बाज।
और ध्वनिराज-
अबकी बार मेरा वार खाली नहीं जाएगा।
कोई भी इंसान मोटरसाइकिल से इतनी लंबी छलांग नहीं लगा सकता!
के दूसरे छोर की तरफ गिरी।-
और अगला पहिया खाई के छोर पर आ टिका।
पलभर के लिए लगा कि ध्रुव ने खाई पार कर ली है।
कमांडो ध्रुव!
पाएगा या नहीं?

अब मुझे 'रोप वे' का यह मोटा तार ही बचा सकता है।
पर क्या मैं इतनी ऊंचाई से सिर्फ एक तार पर गिरने का करिश्मा दिखा पाऊंगा?
सोचन, ध्रुव गिर रहा है!
जरा सी भी चूक से, मैं इस तार के अगल-बगल से निकल जाऊंगा।
और फिर मेरी हड्डियों का भुर्ता बनना पक्का है।
..कलाबाजी खाती हुई ध्रुव की मोटरसाइकल रोप-वे के तार पर आ टिकी।
ध्वनिराज मुझपर इतने सधे हुए हमले कैसे कर पा रहा है? जरूर वह किसी तरह से मुझे देख रहा है। पर कैसे?
एक मिनट। वह तोता!! वह तोता हवा में बगैर पर हिलाए उड़ रहा है। तोते ऐसे कभी नहीं उड़ते।
यानि यह तोता नकली है!
जिसमें वीडियो कैमरा लगा है।
और इसी से वह मुझपर नजर रख रहा है।.. मैं अभी इसका इंतजाम करता हूं!
अब ध्रुव हमारे साथ साथ चलेगा।

इसने शायद हमारे कैमरे को देख लिया है, ध्वनिराज।
इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। क्योंकि अब यह मुझसे बच नहीं पाएगा!
मेरा अगला वार 'रोप-वे' के तार पर ही होने जा रहा है।
उधर- ध्रुव के एक ही सधे हुए वार से 'तोता' नष्ट हो गया।
और साथ ही साथ- ध्वनिराज के वार से रोप वे का तार भी टूट गया।
कड़ाक
हम गिर रहे हैं।
बचाओ!
ओह! अगर यह ट्रॉली नीचे गिर गई तो इन बच्चों में से एक भी बच्चा जिंदा नहीं बचेगा।
मुझे इनको बचाना ही होगा।
चाहे इसके बदले में मुझे अपनी जान ही क्यों न देनी पड़े।
गिरते ध्रुव ने एक हाथ से मोटरसाइकल को हवा में घुमा दिया।
और रोप-वे का तार मोटरसाइकल में लिपटने लगा।
दूसरी तरफ जा फंसी।
ट्रॉली एक झटके के साथ हवा में ही रुक गई।

और ध्रुव भी इस बात को समझ गया था, कि अब कोई चमत्कार नहीं होगा।
पर तभी- एक
काय परछाईं ने ध्रुव को ढक लिया।
अब उसके और गहरी घाटी के बीच में सिर्फ हवा थी।
ध्रुव का अंतिम समय आ गया था।
!
दो विशालकाय पंजों ने
ध्रुव की बांह पकड ली।
और कुछ ही पलों बाद -
ध्रुव वापस पहाड़ी पर खड़ा था।
यह क्या था?
इतना विशालकाय बाज तो मैंने पहले कभी नहीं देखा।
इधर ध्रुव आश्चर्यचकित था।
मुझे दुख
इस बात का है कि मैं उसको
के
वक्त में देख नहीं सका।
उसका डरा चेहरा देखकर मजा आ जाता।

नराज की यह इच्छा जल्दी ही पूरी होने वाली थी।
काली पहाड़ी की चोटी पर एक मकान बना हुआ है, और बाहर खूंखार कुत्ता और रायफल लिए एक आदमी पहरा दे रहा है। अब मुझे इस बात में कोई शक नहीं है कि ध्वनिराज का अड्डा यही है।
अब मेरा पहला काम पुलिस को मैसेज भेजना है।
और फिर मुझको इस पहरेदार पर बिना शोर मचाए कब्जा करना है। और यह काम मैं इसी के कुत्ते से करवाऊंगा।
और थोड़ी देर बाद
एक गुर्राहट सुनकर कुत्ता
की तरफ बढ़ा।
?
पर उसके तेवर बदले हुए थे।
और जब तक उसको इस बात का आभास होता -
तब तक बूनो उस पर झपट चुका था।

पहरेदार की आश्चर्यचकित आंखो ने ध्रुव की शक्ल की एक झलक देखी।
और फिर उस की आंखे एक घंटे के लिए बंद हो गई।
यह तो गया।
अब मुझे इस मकान के अंदर जाना है। और सबसे सुरक्षित रास्ता छत पर से होकर जाता है।
और उसके लिए मैं यह नाइलोन की डोरी और 'स्टार हुक' लेकर आया हूं। अब कुछ मदद बुलानी होगी।
चिचि चीची।
ध्रुव ऊपर देख कर चहचहाया
कुछ देर तक दोनो मे चहचहाहट होती रही।
इस मकान की दीवारें एकदम सपाट हैं।
चि चीं चीं
और फिर चिड़िया अपनी चोंच मे प्लास्टिक का स्टारनुमा हुक दबाकर ऊपर उड़ी।
और उसने हुक को छत के एक उभरे भाग मे फसा दिया।

कुछ ही पलों बाद ध्रुव रस्सी से ऊपर चढ़ रहा था।
पर किस्मत कुछ और ही रंग दिखा रही थी।
अरे। इस चिड़िया के पंजो के पास क्या चमक रहा है?
लेकिन फिर उसने अपने आप को संभाल लिया।
आहा। तो तुम आ रहे हो। बड़े सख्त जान हो, यार।
इतनी कोशिश के बावजूद भी जिंदा बचे हो?
अब मैं अपनी आंखों से देखना चाहता हूं, कि आखिर तुम जिंदा कैसे बच जाते हो?
ओह। यह तो रस्सी काटने जा रहा है! और इतनी ऊंचाई से गिरकर तो मेरा भूर्ता बन जाएगा।
लिए काफी था।
लेकिन तभी परों की एक तेज फड़फड़ाहट हुई।
विशालकाय बाज एक बार फिर ध्रुव की मदद को आ पहुंचा था।

और उसके बाद नीचे गिरता हुआ।
यह बाज।
इसने एक बार फिर मेरी जान बचाई है। पर यह है क्या चीज?
धड़ाम
उसके बाद उसको कुछ याद नहीं रहा।
अगले ही पल-
फकीरा नीचे आ गया।
यह क्या
लगा रहा है!
यह उड़ने की कोशिश कर रहा था!
ध्रुव!

तु-तु तुम मरे नही?
मारने वाला और बचाने वाला तो ऊपर बैठा है, ध्वनिराज। और मुझे यह देखना है कि उसने तुम्हारे लिए क्या सजा तय की है।
पकड़ने तो मैं तुमलोगो को आया हूं।
पकड़लो इसे।

धड़ाके
ये लोग अपनी सारी कोशिशों के बावजूद ध्रुव को नहीं रोक पाएंगे।
लेकिन इससे मुझे वह थोड़ा सा समय मिल जाएगा,...
जिसमें मैं इसको रोकने का इंतजाम कर
ध्रुव ध्वनिराज
बेहोशी की दुनिया में,
में व्यस्त था।
ध्वनिराज की उंगलियां तेजी से मशीन बटनों पर फिसलने लगीं।

ध्रुव का हथौड़े जैसा घूसा आखिरी गुर्गे के जबड़े से टकराया।
और साथ ही साथ ध्वनिराज की आवाज़ गूंजी
रुक जाओ, ध्रुव! वर्ना
वर्ना तुम क्या कर लोगे, ध्वनिराज?
तुम मुझपर अपने सारे हथियार आजमा चुके हो। लेकिन वे सब बेकार रहे।
इसीलिए मैं इस बार अपना निशाना बदल रहा हूं।
यह तो तुम जानते ही हो कि इस 'अल्ट्रासोनिक तोप' से मैं राजनगर की कोई भी इमारत नष्ट कर सकता हूं।
अब तुम सिर्फ यह देख लो कि इस वक्त मेरी तोप किस मकान पर सधी है।
यह तुम्हारा मकान है, बेटा! और यह बटन दबते ही यह मकान खत्म हो जाएगा।
और इसमें रहने वाले भी।
अब अगर तुम एक इंच भी इधर-उधर हिले, तो घबराहट में मेरी उंगली इस बटन पर दब जाएगी! और फिर
नहीं!
मैं यह रिस्क नहीं ले सकता! इस वक्त तो घर में मम्मी और श्वेता के साथ पापा भी होंगे।
ठीक है, ध्वनिराज! तुम जीते और मैं हारा!
अब बताओ कि तुम क्या चाहते हो?
तुम्हारी मौत!
एक धीमी और दर्दनाक मौत!
ध्वनिराज ने एक डायल को घुमाया -

और देखते ही देखते - एक चमकदार खोल ने ध्रुव के शरीर को अपने अंदर कैद कर लिया।
यह क्या है?
ताकत लगानी बेकार है, प्यारे ध्रुव! इस बंधन को कोई भी तोड़ नहीं सकता!
यह बंधन ठोस ध्वनि-तरंगों का बना हुआ है।
तब तक तुम्हारे शरीर की सारी हड्डियां टूटकर, तुम्हारे खून में मिल नहीं जातीं।

मेरा दम घुट रहा है। सारे शरीर की नसें फटती लग रही हैं।
यह यंत्रणा मैं ज्यादा देर नहीं सह पाऊंगा।
ध्रुव की तरफ मौत एक-एक कदम कर के बढ़ रही थी।
तभी एक उड़ता हुआ चाकू, अल्ट्रासोनिक तोप में लगे 'कोरखाब के हीरे' से टकराया।
और हीरा हवा में उछलकर
सीधे चंडिका के हाथ में आ गिरा।
अगर मेरा ख्याल सही है तो यह हीरा ही तुम्हारी तोप की असली ताकत है।
और इसके हटते ही तुम्हारी मशीन बेजान हो जाएगी।
चंडिका खुद एक वैज्ञानिक थी। और उसका ख्याल एकदम सही था।
हीरे के मशीन से अलग होते ही, ध्रुव को कैद करने वाला ध्वनि तरंगों का खोल भी गायब होने लगा।
चंडिका, तुम यहां तक कैसे पहुंच गई?
मेरे पैरों की तरफ देखोगे, तो खुद ही समझ जाओगे।
ये पंजे! यानि वह विशालकाय बाज तुम ही थीं?
वह बाज नहीं, इंजन लगा एक हैंड ग्लाइडर है।
मैं जानता था कि पहाड़ी रास्ते पर तुमको मेरी जरूरत जरूर पड़ेगी।

बकवास बंद कर, छोकरी। और मुझे हीरा वापस कर दे।
यह हीरा तो अब नेशनल म्यूजियम ही आएगा, जहां की यह अमानत है!
और तुम जेल जाओगे।
जहां की तुम अमानत हो!
तो तू ऐसे नहीं मानेगी।
ध्वनिराज का हाथ उठा।-
और अचानक किए गए इस वार से चंडिका बच नहीं पाई।
धड़ाक
यह दृश्य ध्रुव की आंखों में खून उतार देने के लिए काफी था।
तुमने चंडिका पर वार करके मेरे दिल में रही-सही दया भी खत्म कर दी है, ध्वनिराज!
अब तुम अपने पैरों पर चलकर जेल नहीं जा पाओगे।
क्रुद्ध ध्रुव के वार तो दीवार में भी छेद कर देने के लिए काफी थे।
ध्वनिराज का जबड़ा तो हाड़-मांस का बना था।
पर ध्वनिराज के लिए भी यह आखिरी मौका था।
और उसकी छोटी 'अल्ट्रासोनिक गन' अभी सही सलामत थी।

एक ध्वनि-तरंग ध्रुव की तरफ लपकी।
लेकिन क्रोध में भी ध्रुव ने अपने होशोहवास नहीं खोए थे।
ध्वनि-तरंग से बचने के लिए वह तेजी से एक तरफ हटा।
और ध्वनिराज आजाद हो गया।
अब वह पागलों की तरह, ध्रुव पर ताबड़तोड़ वार करता आ रहा था। और यह नहीं देख रहा था...
..कि उसके वार कहां लग रहे हैं।
मेरी मशीन!
मेरी अल्ट्रासोनिक तोप!
मैंने अपनी पंद्रह सालों की मेहनत को अपने ही हाथों से तबाह कर दिया!!
और ऐसा करने के लिए, तूने मुझे मजबूर किया!
अब मैं तुझे जिंदा नहीं छोड़ूंगा।
तुम बहुत आशावादी हो, ध्वनिराज। लेकिन ऐसा होना मुश्किल है।
मेरा, तुमसे मार खाने का एकमात्र मकसद, तुम्हारी मशीन को तुम्हारे ही हाथों से तबाह करवाना था।
और अब मुझे...
...तुम्हारी दूसरी मशीन को नष्ट करना है।
ध्वनिराज का हाथ एक और घातक ध्वनि-तरंग का वार करने के लिए उठा।-

और उसी पल ध्रुव आगे लपका।
उसको इसी क्षण का इंतजार था।
उसने ध्वनिराज का हाथ उसकी ही छाती पर लगे 'कंट्रोल-पेनल' की तरफ मोड़ दिया।
ध्वनि-तरंग का वार, अपने ही कंट्रोल पेनल पर हुआ। और एक धमाके के साथ पेनल के चीथड़े उड़ गए।
घातक ध्वनि-तरंग तब तक चल चुकी थी।
और तभी-पूरा वातावरण सायरनों से गूंज उठा।
पुलिस!
पुलिस आ गई!!
धमाके के धक्के ने
भी दूर फेंक
ध्वनिराज की 'अल्ट्रासोनिक गन' भी तबाह हो गई थी।

ध्वनिराज तेजी से छत की तरफ भागा।
और उसके पीछे लपकता हुआ ध्रुव, चंडिका को देखकर रुक गया।
चंडिका, तुम ठीक तो हो न?
मैं ठीक हूं। तुम मेरी चिंता छोड़ो!
ध्वनिराज भाग रहा है! तुम उसको रोको।
वह भाग कर कहीं नहीं जा पाएगा, चंडिका।
चारों तरफ पुलिस का घेरा है।
लेकिन छत पर पहुंचते ही ध्रुव का सोचना गलत साबित हो गया।
ओह! तो ध्वनिराज ने अपने भागने का इंतजाम कर रखा था।
घबराओ मत, ध्रुव।
मैं इसको भागने नहीं दूंगी।
थोड़ी ही देर में-
इसके गुब्बारे में एक छेद इसको नीचे उतारने के लिए काफी...ओह! यह मुझपर 'ब्लो-टॉर्च' से हमला कर रहा है!
'ब्लो टॉर्च' की तेज लपट ने बाज के एक पर को जला दिया।
और चंडिका को मजबूर होकर ध्वनिराज का पीछा करने का इरादा छोड़ देना पड़ा।
शुक्र है, कि पर को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है!
लेकिन अब मैं इसका पीछा नहीं कर सकती।
अब मुझे नीचे उतरना होगा!

थोड़ी सी मुश्किल के बाद चंडिका सही सलामत नीचे उतर आई।
सॉरी, ध्रुव! मेरी सारी कोशिशों के बावजूद ध्वनिराज बचकर भाग निकला।
नहीं, चंडिका। अब वह कहीं भाग कर नहीं जा पाएगा!
क्योंकि मुझे पता चल गया है कि ध्वनिराज कौन है!
पता तो मुझे पहले ही लग गया था। लेकिन अभी-अभी मिले करीम के मैसेज से मेरा शक यकीन में बदल गया है!
मेरे साथ आओ!
और फिर- सिविल लाइंस के एक फ्लैट में-
अब मेरे पास ज्यादा वक्त नहीं है!
अब मुझे जल्दी से जल्दी उसको खत्म करके और पोशाक पहनाकर यहां से निकल जाना चाहिए!
उसको मैंने इसी कमरे में बंद कर के रखा --
अरे! कमरा तो खाली है!
खाली तो होगा ही!
क्योंकि तुम्हारे असिस्टेंट नायर को हमने आजाद करा दिया है...
...प्रोफेसर काले उर्फ ध्वनिराज!
धु... धु... ध्रुव! तुम यहां ...(गुटक) यहां पर ... ?
हां, मैं यहां पर!
तुमने अपनी ही हत्या तो बहुत खूब की थी, काले! लेकिन तुम्हारी लाश का एक भी टुकड़ा न मिलने से मुझे पूरा यकीन नहीं हुआ था।

इसीलिए मैंने कमांडो-फोर्स को तुम्हारे फ्लैट की निगरानी पर लगा दिया था। और उसी से आज सुबह हमको नायर का पता मिल गया।
जिसको तुमने बंधक बनाकर इस फ्लैट में बंद कर दिया था।
और जिसे खत्म करने तुम अभी यहां पर आए थे।
वैसे तुम्हारी असलियत तो मैं काली पहाड़ी पर ही जान गया था। जब मुझसे लड़ते वक्त तुमने अल्ट्रासोनिक यंत्र को अपनी पंद्रह साल की मेहनत का नतीजा बताया था!
हां, हां! मैं ही ध्वनिराज हूं!
मैंने ही यह अल्ट्रासोनिक यंत्र बनाए थे। यह मेरा आविष्कार था। पर उसके बदले मुझे क्या मिला? पंद्रह साल तक सिर्फ कुछ हजार रुपए महीने की तनख्वाह!
जबकि इस यंत्र से मैं करोड़ों कमा सकता था।
मेरे अलावा सिर्फ नायर और पटेल ही इस आविष्कार के बारे में जानते थे। पटेल को तो मैंने खत्म करा दिया।
और नायर को इसलिए बंधक बनाकर रख लिया, ताकि वक्त आने पर उसकी लाश को ध्वनिराज की पोशाक पहनाकर पुलिस के हवाले कर दूं।
मुझे बहुत खुशी है कि तुम्हारे इरादों पर पानी फेरने का मौका मुझे मिला, काले।
अब ये आपका कैदी है, इंस्पेक्टर!
ध्वनिराज को पकड़ने के लिए 'नगर-प्रमुख' ने दस हजार रुपए का इनाम रखा है, ध्रुव!
और मेरे ख्याल से यह इनाम तुम दोनों में बराबर-बराबर बंटना चाहिए!
आप तो जानते ही हैं, इंस्पेक्टर, कि मैं किसी भी तरह का इनाम स्वीकार नहीं करता!
लेकिन मैं इनाम जरूर लूंगी, मि॰ इंस्पेक्टर!
इस वक्त इसकी मुझे सख्त जरूरत है!
और फिर हमेशा की तरह चंडिका वहां से छू-मंतर हो ली—

जापान आर्ट प्रेस, नई दिल्ली-28 द्वारा मुद्रित. ☎ 5708884